



# गणतंत्र दिवस परेड - 2017 में सत्रह राज्य और छह केंद्रीय मंत्रालय अपनी झांकियों का प्रदर्शन करेंगे

Posted On: 23 JAN 2017 10:23AM by PIB Delhi

इस वर्ष राजपथ पर गणतंत्र दिवस की परेड में 17 राज्यों और केंद्र सरकार के छह मंत्रालयों से झांकी देखने को मिलेगी। इन झांकियों में देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक-आर्थिक विकास से लेकर सूचना प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में राष्ट्र की प्रगति, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे प्रमुख विषयों का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रत्येक झांकी और इसकी महत्वपूर्ण विशेषता इस प्रकार है:

## ओडिशा

### डोला जात्रा

ओडिशा की झांकी में राज्य में मनाये जाने वाले एक लोकप्रिय त्योहार 'डोला जात्रा' को दर्शाया गया है। यह त्योहार भक्ति पंथ की परंपरा में देवी राधा और भगवान कृष्ण की यात्रा का प्रतीक है।

'डोला जात्रा' होली के समान एक त्योहार है और इसे फरवरी-मार्च के बीच में पूर्णिमा से पूर्व फाल्गुन मास को मनाया जाता है। इस छह दिवसीय महोत्सव के दौरान देवी राधा और भगवान कृष्ण की पूजा की जाती है।

## अरुणाचल प्रदेश

### याक डांस

यह झांकी याक नृत्य को प्रस्तुत करती है जो अरुणाचल प्रदेश की बौद्ध जनजातियों के महायान संप्रदाय का सबसे प्रसिद्ध स्वांग है। इस नृत्य में एक परिवार के नकाबपोश नर्तक एक जादुई पक्षी की मदद से एक याक की खोज करते हैं। याक इन जनजातियों के लिए सबसे उपयोगी बहुउद्देशीय पशु है। याक की खोज से परिवार के आंतरिक संपत्ति विवाद का समाधान होता है और पूरे समुदाय के लिए यह समृद्धि का एक स्थायी स्रोत है। इस नृत्य में याक खोजने पर लोगों की खुशी का चित्रण किया जाता है।

## महाराष्ट्र

### लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक

इस वर्ष को सम्मानीय स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की 160 वीं जयंती के रूप में मनाया जा रहा है। लोकमान्य के रूप में लोकप्रिय तिलक भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रणी नेताओं में से एक थे। वह एक स्वतंत्रता सेनानी, कार्यकर्ता, समाज सुधारक, गणितज्ञ, पत्रकार, संपादक, लेखक और वक्ता थे। उन्होंने समाज और राष्ट्र निर्माण में स्वयं की प्रतिबद्धता जताते हुए अंग्रेजों के दमनकारी शासन से भारत को मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। उन्होंने 'महर्त्ता' और 'केसरी' नामक अपने समाचार पत्रों का प्रकाशन भी शुरू किया था। उन्होंने गणेशोत्सव और शिव जयंती उत्सव का भी शुभारंभ किया था। इस वर्ष उनके द्वारा प्रारंभ किये गए गणेशोत्सव का 125वां वर्ष है। उन्होंने कहा था 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा'। महाराष्ट्र की झांकी में भारत के इस महान व्यक्तित्व की 160 वीं जयंती को दर्शाया गया है।

## मणिपुर

### लाइ हरोबा

लाइ हरोबा मणिपुर के मेइती समुदाय द्वारा संरक्षित दुनिया के सबसे पुराने कर्मकांडों में से एक है। इस उत्सव को पूरे समुदाय के द्वारा अत्यंत श्रद्धा, पवित्रता और पूरी भक्ति के साथ मनाया जाता है। 'देवताओं की खुशी' के रूप में मनाये जाने वाले लाइ हरोबा में देवताओं की पूजा करने से स्थानीय निवासियों को समृद्धि और भूमि का आशीर्वाद मिलता है। मणिपुर की झांकी में देवताओं की प्रतिकृति के साथ इस विचित्र और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को पवित्र नृत्य के साथ प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया है।

## गुजरात

### कच्छ की कला और जीवन शैली

गुजरात का कच्छ जिला अपनी कला और जीवन शैली के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यहां 16 अलग अलग प्रकार से कढ़ाई की जाती है। रोगन कला, मिट्टी का काम और भुंगा बनाने की कला ने कच्छ को दुनिया भर में एक अद्वितीय पहचान दी है। राज्य की इस बार की झांकी का मुख्य विषय 'कच्छ की कला और जीवन शैली' है। इसमें महिलाओं को कढ़ाई का काम करते हुए दिखाया गया है।

## लक्षद्वीप

### एक अनन्वेषित पर्यटन स्थल

संस्कृत में लक्षद्वीप अथवा "लाक्षा द्वीप" को एक लाख द्वीपों के रूप में परिभाषित किया गया है। जिसमें 36 द्वीप अरब सागर में फैले हुए हैं। 1956 में गठित हुआ भारत का सबसे नन्हा केंद्र शासित प्रदेश केरल तट से 220-440 किमी की दूरी पर स्थित है। कवरत्ती इसका प्रशासनिक मुख्यालय है। लक्षद्वीप अपने पारिस्थितिकी तंत्र, प्रवाल भित्तियों, चांदी जैसे रेतीले समुद्र तटों, प्रदूषण रहित पर्यावरण और साहसिक खेलों के पर्यटन के लिए दुनिया में विख्यात है।

## कर्नाटक

### लोक नृत्य

अपनी पारंपरिक कला और लोक नृत्य के लिए मशहूर, कर्नाटक राज्य इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड की झांकी में राज्य के पारंपरिक लोक नृत्य को प्रस्तुत कर रहा है। झांकी में भगवान शिव के उपासक गौरावास को पारंपरिक नृत्य करते हुए दिखाया गया है। उन्हें ड्रम और बांसुरी की धुन पर अद्वितीय टोपियों के साथ नृत्य करते हुए दर्शाया गया है। झांकी में तलवार चलानेवाले योद्धाओं का भी एक नृत्य प्रदर्शन किया गया है।

## राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

### दिल्ली का मॉडल सरकारी विद्यालय

दिल्ली की झांकी में राष्ट्र में विद्यालय शिक्षा में परिवर्तन लाते हुए गुणवत्ता बढ़ाने की हाल की पहल का चित्रण है। एक अच्छी शिक्षा एक अच्छे भविष्य की नींव डालती है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के प्रयासों के तहत दिल्ली सरकार सरकारी स्कूलों को मॉडल स्कूलों में बदल रही है। स्कूलों के बुनियादी ढांचे को उन्नत किया गया है और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। शिक्षक और छात्र दोनों ने इन परिवर्तनों पर अच्छी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। एक विशेष कार्यक्रम के तहत छात्रों को संगीत, थिएटर, ललित कला, सृजनात्मक लेखन और विशेषज्ञों द्वारा फोटोग्राफी सिखायी जाती है। दिल्ली की झांकी 'मॉडल स्कूल' की अवधारणा के विकास को दर्शाती है।

## हिमाचल प्रदेश

### चंबा रूमाल

चंबा रूमाल हिमाचल प्रदेश के चंबा शहर में 18वीं सदी के दौरान उत्कर्ष पहाड़ी कला का बेहतरीन नमूना है। इस कला के माध्यम से हाथ से बुने हुए कपड़ों पर रेशमी धागों से कशीदाकारी की जाती है। रासलीला, प्राचीन कथाओं और मिथकों के दृश्यों को आम तौर पर रूमालों पर प्रदर्शित किया जाता है। हिमाचल की झांकी में इस अद्भुत शिल्प कला को प्रस्तुत किया गया है।

## हरियाणा

### बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ हमारे देश का एक प्रासंगिक मुद्दा है। पहले के दिनों में लड़कियों को ज्यादातर उच्च शिक्षा नहीं दिलाई जाती थी और उनका शीघ्र विवाह कर दिया जाता था। आज भी महिलाओं को अनेक भेदभावों का सामना करना पड़ता है। कई गांवों में आज भी लड़कियों को न तो लड़कों के समकक्ष माना जाता है और न ही उन्हें प्राथमिक स्तर से परे की शिक्षा की अनुमति है। उन्हें गर्भ में ही मार दिया जाता है। यदि वे फिर भी जीवित रहती हैं तो उन पर कई तरह के शारीरिक शोषण और दहेज हत्या जैसे खतरे बने रहते हैं।

भारत के प्रधानमंत्री ने बालिकाओं को शिक्षित करने और उनका मूल्यांकन करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। इस मोर्चे पर हरियाणा इस पहल की अगुआई कर रहा है। राज्य में शिक्षा, खेल, सेवा क्षेत्र आदि विभिन्न क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण की दिशा में अत्यंत विकास हुआ है।

पश्चिम बंगाल

शरद उत्सव

ग्रामीण बंगाल की हरियाली की पृष्ठभूमि में प्राचीन सफेद पुष्प की उपस्थिति शरद ऋतु के आगमन का संकेत है। शरद उत्सव को दुर्गा पूजा उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। बंगाल में शरद उत्सव एकमात्र ऐसा धार्मिक त्योहार है, जिसको न सिर्फ राज्य बल्कि भारत और दुनिया भर में उत्साह के साथ मनाया जाता है। आज यह दुनिया के सबसे बड़े कला कार्निवलों में से एक बन चुका है। इसके अंतर्गत पूजा पंडालों की आंतरिक और बाहरी सजावट को विशिष्ट शैली के साथ प्रशिक्षित कलाकारों द्वारा क्रियान्वित किया जाता है।

पंजाब

जागो आइया

"जागो" का शाब्दिक अर्थ है "जाग"। सदियों पहले शादी समारोह के लिए लोगों को आमंत्रित करने के लिए निमंत्रण नहीं भेजा जाता था। पंजाब में शादी की रात से एक दिन पहले जागो समारोह मनाया जाता है और यह एक जोशपूर्ण उत्सव नृत्य है। इसमें एक बर्तन में तेल के दीपक को जलाकर सिर पर रखा जाता है और फिर नृत्य और जागो गीतों को गाते हुए दुल्हन या दूल्हे के रिश्तेदार गांव के चारों ओर जाते हैं और लोगों को शादी में शामिल होने का निमंत्रण देते हैं। पंजाब की झांकी "जागो" विषय पर आधारित है।

तमिलनाडु

काराकट्टम

'काराकट्टम' तमिलनाडु का एक लोकप्रिय लोक नृत्य है जिसे विशेष रूप से तमिलनाडु के ग्रामीण क्षेत्रों में अम्मान मंदिर समारोह के रूप में मनाया जाता है। 'काराकट्टम' राज्य के प्राचीन लोक नृत्य में से एक है। 'कारागम नर्तक ड्रम की धुन पर सिर पर कारागम का संतुलन बनाते हुए नृत्य करते हैं।

गोवा

गोवा की संगीत विरासत

सानगोड दो या दो से अधिक डोंगियों के संयोजन से बना एक बड़ा मंच है। सानगोड की तरह, गोवा की संगीत विरासत का विभिन्न क्षेत्रों में अलग प्रभाव है। इस बार की झांकी में विभिन्न संगीत वाद्ययंत्र और नृत्य के माध्यम से इस समृद्ध संगीत विरासत को दर्शाया गया है।

त्रिपुरा

होजागिरी

इस बार की त्रिपुरा की झांकी में राज्य के एक शानदार रियांग आदिवासी नृत्य होजागिरी को प्रस्तुत किया गया है। इस नृत्य में 4 से 6 सदस्यों की महिलाएं और युवा लड़कियां गाते हुए अपने हाथ पर जलते हुए दीपक और सिर पर एक बोतल का संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ती हैं। इस नृत्य को त्योहारों के अवसर पर किया जाता है।

जम्मू-कश्मीर

गुलमर्ग में शीतकालीन खेल

इस बार की झांकी जम्मू एवं कश्मीर के गुलमर्ग शीतकालीन खेलों को दर्शाती है। यह जम्मू-कश्मीर का एक विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। 2650 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बर्फ से ढका गुलमर्ग हल्की सर्दी के मौसम में एक आकर्षक शीतकालीन खेल गंतव्य है और यहां दुनिया भर के पर्यटक आते हैं।

असम

कामाख्या मंदिर

इस बार की असम की झांकी में राज्य की राजधानी गुवाहाटी में स्थित कामाख्या देवी के पवित्र मंदिर का चित्रण किया गया है। गुवाहाटी में नीलांचल पहाड़ियों के ऊपर स्थापित, कामाख्या मंदिर को देश के सबसे बड़े शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। अम्बूबाची त्योहार के दौरान इस मंदिर में भारत ही नहीं अपितु विदेशों से भी भक्त आते हैं। इस मंदिर में पूजा के लिए कोई छवि या मूर्ति नहीं है इसलिए कामाख्या मंदिर अन्य मंदिरों से अलग है। यहां से महिला के गुप्तांग से होने वाले प्रदर जैसे रंग का एक प्राकृतिक स्राव होता है। गुफा के अंदर एक प्राकृतिक जल प्रवाह के कारण यह नम बना रहता है। माना जाता है कि खेती के समय धरती माता इस दरार के माध्यम से स्रावित होती हैं।

उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी)

वस्तु एवं सेवा कर

वस्तु एवं सेवा कर का उद्देश्य कर सुधार की दिशा में आजादी के बाद की गई सबसे बड़ी कर सुधार पहल है। 08 सितंबर, 2016 को 122वें संविधान संशोधन अधिनियम के लागू होने के साथ ही इस सुधार को गति मिल चुकी है। सरकार देश भर में बहुत जल्द ही जीएसटी लागू करने की दिशा में अग्रसर है। जीएसटी में न सिर्फ कराधान परिदृश्य बल्कि आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने की क्षमता है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई)

खादी भारत

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की इस बार की झांकी खादी और ग्रामोद्योग आयोग पर आधारित है। बहुतां के लिए खादी सिर्फ एक कपड़ा नहीं है बल्कि एक भावना है। महात्मा गांधी ने अपने चरखे के माध्यम से न सिर्फ आत्मनिर्भरता बल्कि रोजगार प्रदान करने के एक स्रोत की परंपरा भी प्रदान की। अप्रैल 1957 में खादी और खादी ग्रामोद्योग आयोग ने खादी ब्रांड के निर्माण की जिम्मेदारी संभाली और आज खादी सिर्फ एक कपड़ा नहीं है बल्कि यह जीवन जीने का एक तरीका है।

आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय

सभी के लिए आवास

आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय और नेशनल हाउसिंग बैंक की इस बार की झांकी में मंत्रालय की ओर से 25 जून 2015 को प्रारंभ की गयी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) को दिखाया गया है। इस मिशन में राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी के माध्यम से वर्ष 2022 तक हर भारतीय के लिए एक पक्के मकान की परिकल्पना की गई है।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद

सीएसआईआर की झांकी में अपनी 38 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के साथ वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद की वैश्विक स्थिति पर प्रकाश डाला गया है। 75 वर्ष की अपनी यात्रा में सीएसआईआर देश में वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में एक अहम भूमिका निभा रहा है। अपने तकनीकी विकासों से सीएसआईआर ने लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है।

सीपीडब्ल्यूडी

हरित भारत - स्वच्छ भारत

सीपीडब्ल्यूडी की झांकी में "स्वच्छ भारत हरित भारत' की अवधारणा को दर्शाया गया है। यह स्वच्छ और हरित राष्ट्र के संदेश के साथ इसे भिन्न-भिन्न रंगीन फूलों से तैयार किया गया है। पर्यावरण जीवन का सबसे कीमती तत्व है। झांकी में दिखाया गया है कि भारत के लोग उत्साह के साथ मिशन में शामिल होने के साथ पवित्रता को बनाए रखते हुए वृक्षों के रोपण द्वारा पर्यावरण के सुधार की दिशा में उत्साह के साथ योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं।

कौशल विकास मंत्रालय

कौशल विकास के माध्यम से बदलता भारत

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की झांकी में "कौशल विकास के माध्यम से बदलते भारत" और मंत्रालय एवं उसके कार्यक्रमों की उपलब्धि पर प्रकाश डाला गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय देश भर में कौशल विकास के प्रयासों के तहत व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण ढांचे का निर्माण कर रहा है। 'कुशल भारत' की अभिकल्पना को साकार करने के तहत मंत्रालय बड़े पैमाने पर कौशल को गति और उच्च मानकों के साथ संयोजित कर रहा है।

